केरल के तटीय क्षेत्रों में लू की स्थिति

[स्रोत: द हिंदू]

हाल ही में **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग** ने केरल के त्रिशूर में 40°C और कोल्लम तथा पलक्कड़ ज़िलों में 39°C तक हीटवेव की चेतावनी जारी की थी।

- हीटवेव अत्यधिक गर्म मौसम की लंबी अवधि है जो मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।
  - भारत, एक उष्णकटिबंधीय देश होने के नाते, विशेष रूप से गर्मी की लहरों के प्रति संवेदनशील है।
- **भारत में लू की घोषणा के लिए IMD मानदंड:**
  - हीटवेव तब मानी जाती है जब किसी स्टेशन का अधिकतम तापमान मैदानी क्षेत्रों के लिये कम-से-कम 40°C और पहाड़ी क्षेत्रों हेतु कम-से-कम 30°C तक पहुँच जाता है।
  - तटीय स्टेशन का अधिकतम तापमान 37°C से अधिक या उसके बराबर होना चाहिये।
  - यदि किसी स्टेशन का सामान्य अधिकतम तापमान 40°C से कम या उसके बराबर है, तो सामान्य तापमान से 5°C से 6°C की वृद्धि को हीटवेव की स्थिति मानी जाती है।

//

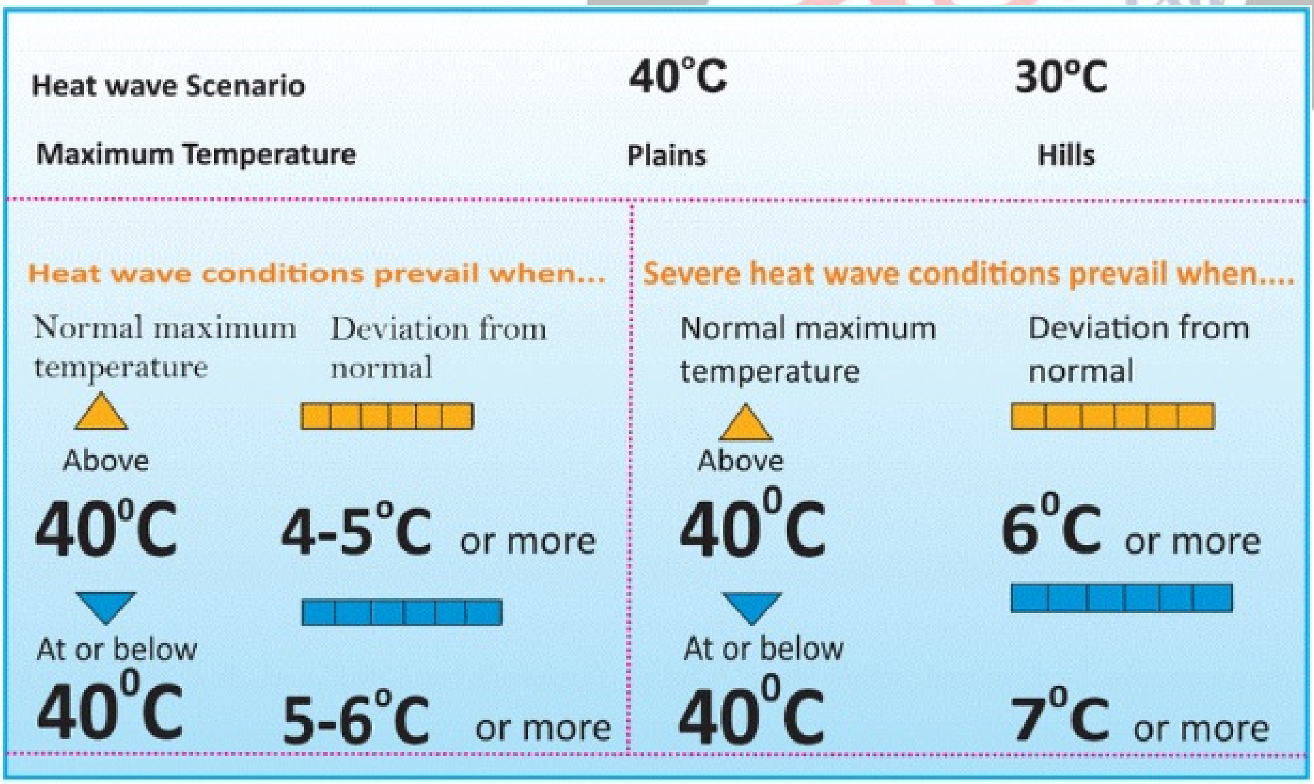

और पढ़ें: [हीट वेव्स और हीट डोम]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/heat-wave-conditions-in-coastal-regions-of-kerala